नादरगंज इंडस्ट्रियल एरिया को आइटी हब बनाने की उम्मीदें बढ़ीं

जासं • लखनऊ : सब कुछ ठीक रहा तो दीपावली के बाद कानपुर रोड पर अमौसी स्थित नादरगंज इंडस्ट्रियल एरिया में चालीस एकड़ जमीन पर आइटी हब बनाने की कोशिशें धरातल पर नजर आने लगेंगी। आइटी हब में आइटी पार्क, बिजनेस पार्क और इंटरनेशनल इनक्यूबेशन फैसिलिटी सेंटर होंगे। यह देश के चुनिंदा बड़े आइटी हब में से एक होगा।

गत वर्ष ही सरकार ने आइटी हब के प्रस्तावित ब्लू प्रिंट को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई थी। हालांकि अब इस पर कुछ कार्य आगे बढ़ता दिख रहा है। योजना को आगे बढ़ाने के लिए कंसल्टेंट का चयन फाइनल दौर में है। आइटी हब में बड़ी आइटी, फाइनेंशियल और टेक कंपनियों को बतौर स्ट्रेटेजिक पार्टनर के रूप में जोड़ा जाएगा, जबकि आइटी से जुड़ी कंपनियों को आइटी हब के प्रति आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। बीते दिनों डीएम सूर्यपाल गंगवार ने भी यहां उद्यमियों के साथ बैठक में आइटी हब बनाने की बात कही थी। अब तक जो प्रस्तावित है उसके अनुसार 11.47 एकड़ पर आइटी पार्क के अलावा 7.4 एकड़ में बिजनेस पार्क विकसित होगा। इसके अलावा इंटरनेशनल इनक्यूबेशन फैसिलिटी सेंटर 6.9 एकड़ में बनाया जाएगा। 8.7 एकड़ ग्रीन एरिया विकसित होगा और 5.8 एकड़ में सड़कों का जाल बिछाया जाएगा ताकि आइटी हब में निर्मित भवनों के बीच कनेक्टिविटी सुनिश्चित हो सके। आइटी पार्क, बिजनेस पार्क और इंटरनेशनल इनक्यूबेशन फैसिलिटी सेंटर को बेसमेंट और ग्राउंड समेत छह मंजिला इमारत में निर्मित किया जाएगा। इन तीनों भवनों की अपनी-अपनी पार्किंग की सुविधा भी होगी। इनकी बेसमेंट पार्किंग में हाइड्रोलिक पार्किंग सिस्टम का उपयोग किया जाएगा। आइटी हब के प्रस्ताव के अनुसार इसको देश के बड़े इक्यूबेटर के तौर पर स्थापित किया जाएगा। इसमें ऐसी तमाम खूबियां होंगी जो लोगों को आकर्षित करेंगी। इसके तहत आइटी हब में छह महत्वपूर्ण विंग स्थापित किया जाएगा। इनमें विमेन इंटरप्रेन्योर्स हब, स्किल एंड नालेज एकेडमी, प्रोटोटाइपिंग सेंटर, रिसर्च एंड इनोवेशन सर्किल, इमर्जिंग टेक विंग और यू हब इनोवेशन हब का निर्माण किया जाएगा। इन सारे विंग्स को पांच एकड़ भूमि पर विकसित किए जाने की योजना है।